

## Case Study

नीचे दिए गए केस स्टडी को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए ।

मुंशी प्रेमचंद अनुशासित जीवन जीते थे । वे प्रातः काल जल्दी उठ जाते थे और दैनिक कार्यों से मुक्त होकर एक घंटा खुले मैदान में घूमते थे । घर लौट कर वे अपने अधिकांश कार्य स्वयं करते थे । वह नौकरों से काम लेकर अपनी आदत बिगाड़ना नहीं चाहते थे । उनका मानना था कि जिस आदमी के हाथ में काम करने से निशान न पड़े हो उसे रोटी खाने का अधिकार नहीं है । वह अपने सारे काम निपटाकर नाश्ता करते थे । लिखने के लिए उन्हें प्रातः काल का समय पसंद था । वह वक्त के बड़े पाबंद थे । वे खुद समय पर स्कूल पहुंचकर छात्रों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहते थे । समय की बर्बादी को वे गुनाह मानते थे । उनका मानना था कि समय की पाबंदी के बिना कोई जाति या देश उन्नति नहीं कर सकता है । उन्हें छात्रों से बहुत उम्मीदें थी । वे चाहते थे की शिक्षा संस्थानों से ही छात्रों को त्याग, साहस, देश प्रेम और देश सेवा का मंत्र दिया जाना चाहिए ।

क) मुंशी प्रेमचंद घर लौट कर अधिकांश कार्य स्वयं क्यों करते थे ?

- A) वे अपने हाथों को आराम देना चाहते थे।
- B) वे अपने नौकरों को बहुत प्यार करते थे।
- C) वे अपना काम स्वयं करना पसंद करते थे।
- D) वे डरते थे कि कहीं उनका काम कोई और न कर ले ।

ख) किसे वे गुनाह मानते थे ?

- A) चोरी और डकैती को ।
- B) किसी से झूठ बोलने को ।
- C) आज का काम कल पर छोड़ने को ।
- D) समय ही बर्बादी को ।

ग) मुंशी प्रेमचंद एक घंटा क्यों मैदान में टहलते थे ?

- A) उन्हें किसी से मिलना था इसलिए वे मैदान में घूमते थे ।
- B) अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए वे मैदान में घूमते थे ।
- C) सुबह की ताजी हवा खाने के लिए वे मैदान में जाते थे ।
- D) मैदान में उनके दोस्त आते थे इसलिए वे जाते थे ।

घ) मुंशी प्रेमचंद को छात्रों से इतनी उम्मीद क्यों थी ?

- A) मुंशी प्रेमचंद को छात्रों से उम्मीद थी क्योंकि वे उनको देश का भविष्य मानते थे ।
- B) मुंशी प्रेमचंद को छात्रों से उम्मीद थी क्योंकि उन्हें लगता था कि छात्र अपना काम स्वयं करते हैं ।
- C) मुंशी प्रेमचंद को ऐसा इसलिए लगता था क्योंकि वे छात्रों से बहुत प्यार करते थे ।
- D) इनमें से कोई भी विकल्प सही नहीं है ।

ङ) उनके अनुसार कैसे व्यक्ति को रोटी खाने का अधिकार नहीं है ?

- A) जो व्यक्ति समय का पाबंद ना हो उसे रोटी खाने का अधिकार नहीं है ।
- B) जो व्यक्ति काम न करके आलस का जीवन बिताता है उसे रोटी खाने का अधिकार है ।
- C) जो व्यक्ति अपना काम दूसरों से करवाते हैं, उन्हें रोटी खाने का अधिकार नहीं है ।
- D) जो व्यक्ति जीवन में मेहनत न करता हो, उसे रोटी खाने का अधिकार नहीं है ।